This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : 7925

GC

Unique Paper Code : 12051102

Name of Paper : **Hindi Kavita (Adikalin Evam Bhaktikalin Kavya)**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विद्यापति की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। 12

2. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'मधुमालती' के आधार पर मंझन की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 12

3. सूरदास के पदों में राधा की विरह दशा का मार्मिक चित्रण हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मीराबाई की कृष्ण-भक्ति के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 12

4. कवितावली में अभिव्यक्त सामाजिक सरोकार को रेखांकित कीजिए।

अथवा

तुलसीदास की भाव्य-भाषा का विवेचन कीजिए। 12

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) काहे री नलिनी तूँ कुम्हिलाँनीं,
तेरे ही नालि सरोवर पाँनीं।
जल मैं उतपति जल में बास, जल में नलिनीं तोर निवास।
ना तलि तपति न ऊपरी आगि, तोर हेतु कहु कासनि लागि।
कहै कबीर जे उदिक समांन, ते नहीं मुए हँमरे जान।।

अथवा

अधर अमिय-रस भरे सोहाए। पेम बरें हुत रगत तिनाए।
अति सुरंग कोंवल रस भरे। जानहु बिंब मयंकम धरे।
पटतर लाई न जाहिं बखाने। जनु ससि-अमी गारि बिधि साने।
अधर अमीरस भरे अपीऊ। कुंवर जान मोर डोलहिं जीऊ।
वह सो धरी बिधि कब दरसाइहि। जब यह जिउ मोरे घट आइहि।

(ख) अब लौं नसानी, अब न नसैहौं।
राम-कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिरि न डसैहौं।
पायेइँ नाम चारू चिंतामनि, उर कर तें न खसैहौं।
स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनहिं कसैहौं।।
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिन, निज बस ह्वै न हसैहौं।
मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति-पद-कमल बसैहौं।।

अथवा

जौं न होत सीता सुधि पाई। मधुबन के फल सकहिं कि खाई।।
एहि विधि मन विचार कर राजा। आइ गए कपि सहित समाजा।।
आइ सबन्हि नावा पद सीसा। मिलेउ सबन्हि अति प्रेम कपीसा।।
पूँछी कुसल कुसल पद देखी। राम कृपाँ भी काजु विसेषी।।
नाथ काजु कीन्हेउ हनुमाना। राखे सकल कपिन्ह के प्राना।।
सुनि सुग्रीव बहुरि तेहि मिलेउ। कपिन्ह सहित रघुपति पहिं चलेऊ।।

8

6. निम्नलिखित पद्यांशों में दिए गए निर्देश के अनुसार किन्हीं **दो** का रचना-कौशल विश्लेषित कीजिए:

(क) गोरी सोवे सेज पर मुख पर डारे केस।
चल खुसरो घर आपने रैन भई चहुँ देस।।
खुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग।
तन मेरो मन पीउ को दोऊ भए एक रंग।। *(सूफी तत्व)*

अथवा

जहाँ-जहाँ पग-जुग धरई। तहिं-तहिं सरोरूह झरई।।
जहाँ-जहाँ झलकाए अंग। तहिं-तहिं बिजुरि-तरंग।।
कि हेरलि अपरूब गोरि। पइठलि हिय-मधि मोरि।।
जहाँ-जहाँ नयन-बिकास। ततहिं कमल-प्रकास।।
जहाँ लहु हास संचार। तहिं-तहिं अमिय-विथार।
जहाँ-जहाँ कुटिल कटाख। ततहिं मदन-सर लाख।। *(प्रतीकात्मकता)*

(ख) जसोदा हरि पालनैं झुलावै।
हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोई-सोई कछू गावै।
मेरे लाल कौं आउ निदँरिया, काहैं न आनि-सुवावै।
तू काहैं नहिं बेगहिं आवै, तोकों कान्ह बुलावै।
कबहुँक पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन ह्वै कै रहि, करि सैन बतावै। *(बाल सुलभ चेष्टा)*

अथवा

पद बाँध घूँघरयाँ पाच्यांरी।
लोग कह्या मीराँ बावरी, सासु कह्याँ कुलनासाँ री।
विख रो प्यालो राणा भेज्याँ, पीवाँ मीराँ हाँसाँ री।
तण मण वारयाँ परि चरिणामाँ दरसण अमरित प्यास्याँ री।
मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, धारी सरणाँ आस्याँ री। *(भाषा-शैली)*

$6 \times 2 = 12$

question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **6088**

Unique Paper Code : **205301** **G**

Name of the Paper : हिंदी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल तक)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

आदिकाल के नामकरण पर विचार कीजिए।

भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की दार्शनिक चेतना का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

संत काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए। 15

अथवा

रामभक्ति काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

P.T.O.

4. रीतिकाल के राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आधार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीति शब्द का अर्थ बताते हुए रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(*i*) अष्टछाप

(*ii*) भक्तिकाव्य में गुरु।

6. 'रीतिकाल में प्रकृति' **अथवा** 'रीतिकालीन नीतिकाव्य' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6089**

Unique Paper Code : **205302** **G**

Name of the Paper : Sahitya-Chintan 2

Name of the Course : **B.A. (H.) Hindi**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक को परिभाषित करते हुए तत्वों के आधार पर उसका विवेचन कीजिए।

अथवा

कहानी के तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

2. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) मुक्तछंद

(ख) रेखाचित्र। 7

3. लोकमंगल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिम्ब से आप क्या समझते हैं ? उसके प्रकारों को सोदाहरण समझाइए। 10

P.T.O.

4. आधुनिकता एवं आधुनिक बोध का विवेचन कीजिए।

अथवा

काव्यानुभूति की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

5. विभावन व्यापार से आप क्या समझते हैं ?

अथवा

सहानुभूति और स्वानुभूति के अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. 'प्रगतिशील साहित्य और भाषा की समस्या' निबन्ध के आधार पर रामविलास शर्मा की प्रगतिशी साहित्य-धारणाओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'काव्य में लोकमंगल' निबंध का संक्षेप प्रस्तुत कीजिए।

7. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध–'आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ' का सार लिखिए।

अथवा

निम्नांकित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमें सुन्दरता की कसौटी बदलनी होगी। अभी तक यह कसौटी अमीरी और विलासिता के ढंग व थी। हमारा कलाकार अमीरों का पल्ला पकड़े रहना चाहता था, उन्हीं की कद्रदानी पर उसका अस्ति अवलम्बित था और उन्हीं के सुख-दुःख, आशा-निराशा, प्रतियोगिता और प्रतिद्वन्द्विता की व्याख्या कर का उद्देश्य था। उसकी निगाह अन्तःपुर और बंगलों की ओर उठती थी। झोपड़े, खंडहर उसके ध्या के अधिकारी न थे। उन्हें वह मनुष्यता की परिधि से बाहर समझता था। कभी इनकी चर्चा कर

था, तो इनका मज़ाक उड़ाने के लिए, ग्राम-वासी की देहाती वेष-भूषा और तौर-तरीकों पर हंसने के लिए। उसका शीन-काफ़ दुरुस्त होना या मुहाविरों का गलत उपयोग उसके व्यंग्य-विद्रूप की स्थायी सामग्री थी। वह भी मनुष्य है, उसके भी हृदय है और उसमें भी आकांक्षाएं हैं—यह कला की कल्पना से बाहर की बात थी। (साहित्य का उद्देश्य; प्रेमचंद)

(क) प्रेमचंद सुन्दरता की जिस कसौटी को बदलने की जरूरत महसूस कर रहे हैं, उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'उसके भी हृदय है और उसमें भी आकांक्षाएँ हैं'—से क्या तात्पर्य है ? 4+4=8

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8224 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : III

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के संदर्भ में नवजागरण की चेतना पर प्रकाश डालिए। (15)

2. हिंदी नाटक की विकास यात्रा पर विचार कीजिए।

अथवा

हिंदी आलोचना की विकास यात्रा का परिचय दीजिए। (15)

3. छायावादी काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

प्रगतिवादी काव्य के परिवेश और प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। (15)

4. समकालीन कहानी की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

अथवा

स्त्री विमर्श, स्त्री-मुक्ति के किन बिंदुओं को उठाता है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) हिंदी निबंध

(ग) प्रयोगवाद

(घ) दलित विमर्श

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : 8225

GC

Unique Paper Code : 12051302

Name of Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल - छायावाद तक)

Name of Course : B.A. (Hons.) Hindi

Semester : III

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) सिद्धि-हेतु स्वामी गये, यह गौरव की बात,
पर चोरी-चोरी गये, यही बड़ा व्याघात।
सखि, वे मुझसे कह कर जाते,
कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ-बाधा ही पाते?

अथवा

कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन प्रिय, कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:—
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार। 8

(ख) है कौन विघ्न ऐसा जग में, टिक सके वीर नर के मग में?
खम ठोंक ठेलता है जब नर, पर्वत के जाते पाँव उखड़।
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है।

अथवा

यह मेरी गोदी की शोभा
सुख सुहाग की है लाली।
शाही शान भिखारिन की है
मनोकामना मतवाली।।
दीपशिखा है अंधकार की
घनी घटा की उजियाली।
ऊषा है यह कमल-भृंग की
है पतझड़ की हरियाली।। 7

2. " 'यशोधरा' नारी के स्वाभिमान और कर्त्तव्य-भावना की प्रतिमूर्ति है।" अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

P. T. O.

'यशोधरा' की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

3. छायावादी तत्त्वों के आधार पर 'लहर' के प्रगीतों का आकलन कीजिए।

अथवा

'अशोक की चिंता' का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. "निराला की कविताओं में सामान्य जीवन के चित्रों को कलात्मक अभिव्यक्ति मिली है।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बादल राग' कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. 'रश्मिरथी' के आधार पर कृष्ण-कर्ण संवाद पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सुभद्राकुमारी चौहान की कविता का मूल-स्वर स्पष्ट कीजिए।

6. दिए गए निर्देशों के आधार पर निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **दो** का रचना-कौशल लिखिए:

(क) नहीं दान है, नहीं दक्षिणा
खाली हाथ चली आयी।
पूजा की विधि नहीं जानती
फिर भी नाथ! चली आयी।।
पूजा और पुजापा प्रभुवर!
इसी पुजारिनी को समझो।
दान-दक्षिणा और निछावर
इसी भिखारिन को समझो।

(भाव-सौन्दर्य)

(ख) दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या-सुन्दरी परी-सी
धीरे-धीरे-धीरे,
तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास,
मधुर-मधुर है दोनों उसके अधर,
किन्तु गम्भीर; नहीं है उनमें हास-विलास।

(प्रकृति-चित्रण)

(ग) अरे कहीं देखा है तुमने
मुझे प्यार करने वाले को?
मेरी आँखों में आकर फिर
आँसू बन ढरने वाले को?

सूने नभ में आग जलाकर
वह सुवर्ण-सा हृदय गला कर
जीवन-संध्या को नहला कर
रिक्त जलधि भरने वाले को?

(प्रेमानुभूति)

6+6

This question paper contains 2 printed pages. Your Roll No. .....

GC

Sl. No. of Ques. Paper : 8226
Unique Paper Code : 12051303
Name of Paper : Hindi Kahani
Name of Course : B.A. (Hons.) Hindi
Semester : III
Duration : 3 hours
Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'उसने कहा था' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'छोटा जादूगर' की समीक्षा कीजिए। 12

2. 'चीफ की दावत' कहानी के आधार पर शामनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'तीसरी कसम' कहानी के आधार पर हीराबाई की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 12

3. ' 'परिंदे' प्रेम अभिव्यंजना की कहानी है।' इस कथन पर विचार कीजिए।

अथवा

'सिक्का बदल गया' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 12

4. 'घुसपैठिये' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

अथवा

'जंगल जातकम' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

5. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9×3=27

(क) "राम-राम यह भी कोई लड़ाई है।" दिन-रात खंदकों में बैठे हड्डियाँ अकड़ गयीं। लुधियाने से दस गुना जाड़ा, और मेह और बरफ ऊपर से। पिंडलियों तक कीचड़ में धँसे हुए हैं। गनीम कहीं दिखता नहीं— घण्टे-दो-घण्टे में कान के परदे फाड़ने वाले धमाके के साथ सारी खंदक हिल जाती है और सौ-सौ गज धरती उछल पड़ती है।

अथवा

राजनीति राष्ट्र की ही नहीं होती, मुहल्ले में भी राजनीति होती है, यह भार स्त्रियों पर टिकता है। कहाँ क्या हुआ, क्या होना चाहिए इत्यादि चर्चा स्त्रियों को लेकर रंग फैलाती है। इसी प्रकार की कुछ बातें हुईं, फिर छोटा-सा बक्सा सरका कर बोली, "इसमें वह कागज हैं जो तुमने मांगे थे, और यहाँ ..... "

P. T. O.

(ख) पैसा देकर हिरामन ने कभी फारबिसगंज में कच्ची-पक्की नहीं खाई। उसके गाँव में इतने गाड़ीवान हैं, किस दिन के लिए? वह छू नहीं सकता पैसा। उसने हीराबाई से कहा, 'बेकार, मेला-बाजार में हुज्जत मत कीजिए। पैसा रखिए।' मौका पाकर लालमोहर भी टप्पर के करीब आ गया। उसने सलाम करते हुए कहा, "चार आदमी के भात में दो आदमी खुशी से खा सकते हैं। बासा पर भात चढ़ा हुआ है .... गौंवाँ-गरामिन के रहते होटिल और हलवाई के यहाँ खाएगा हिरामन?'

अथवा

डॉक्टर का सवाल हवा में टंगा रहा। उसी क्षण पियानो पर शोपां का नोक्टर्न ह्यूबर्ट की उँगलियों के नीचे से फिसलता हुआ धीरे-धीरे छत के अँधेरे में घुलने लगा— मानो जल पर कोमल स्वप्निल उंगलियाँ भँवरों का झिलमिलाता जाल बुनती हुई दूर-दूर किनारों तक फैलती जा रही हों। लतिका को लगा जैसे कहीं बहुत दूर बर्फ की चोटी से परिंदों के झुंड नीचे अनजान देशों की ओर उड़े जा रहे हैं।

(ग) गजाधर बाबू खुश थे, बहुत खुश, पैंतीस साल की नौकरी के बाद वह रिटायर होकर जा रहे थे। इन वर्षों में अधिकांश समय उन्होंने अकेले रहकर काटा था। उन अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी, जब वह अपने परिवार के साथ रह सकेंगे। इसी आशा के सहारे वह अपने अभाव का बोझ ढो रहे थे। संसार की दृष्टि में उनका जीवन सफल कहा जा सकता था। उन्होंने शहर में एक मकान बनवा लिया था, बड़े लड़के अमर और लड़की क्रांति की शादियाँ कर दी थीं, दो बच्चे ऊँची कक्षाओं में पढ़ रहे थे।

अथवा

पीपल के जाने के बाद आर्य कुछ देर अपनी दाढ़ी पर हाथ फेरते रहे। उन्होंने एक लम्बी साँस ली और आकाश की ओर सिर उठाया। चुपचाप तारे टिमटिमा रहे थे और पेड़ों की बस्ती में शांति को भंग करती हुई दूर-दूर से कई तरह की आवाजें उठ रही थीं। आर्य को स्यारों का हुआं-हुआं आज कुछ विशेष अच्छा न लगा। वे सोचते हुए अपने चबूतरे के लिए चल पड़े।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8308 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12053303

Name of the Paper : सोशल मीडिया

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (SEC)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. जनसंचार माध्यम के रूप में सोशल मीडिया की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के समक्ष चुनौती प्रस्तुत कर रहा है, उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। (12)

2. दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की समस्या की रोकथाम में सोशल मीडिया किस प्रकार जनभागीदारी एवं जनजागरूकता ला सकता है, विचार कीजिए।

अथवा

एक लोकतान्त्रिक राष्ट्र के संदर्भ में सोशल मीडिया की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (12)

3. ब्रांड को परिभाषित करते हुए ब्रांड मेकिंग में सोशल मीडिया के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

सोशल मीडिया में व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के तहत विज्ञापनों की भूमिका पर विचार कीजिए। (12)

4. प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सोशल मीडिया किस प्रकार सहायक हो सकता है ?

अथवा

'स्त्री-सशक्तीकरण' में सोशल मीडिया कारगर सिद्ध हो सकता है।' इस कथन के पक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (12)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (9+9+9=27)

(i) सोशल मीडिया और भाषा:

(ii) फेसबुक और ट्विटर:

(iii) जनमत निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका:

(iv) सोशल मीडिया और गवर्नेंस:

(v) आपातकाल और सोशल मीडिया

(vi) सोशल मीडिया और युवा वर्ग

his question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **6090**

nique Paper Code : **205501** **G**

ame of the Paper : XIV-Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kal)

ame of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

mester : **V**

uration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

मध्यकालीन बोध के आधुनिक बोध में संक्रमण की ऐतिहासिक परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

ब्रज भाषा बनाम खड़ी बोली के विवाद के मुख्य पहलुओं की व्याख्या कीजिये। 15

साठोत्तरी कविता की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए साठोत्तरी कविता की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

स्वतंत्रता पूर्व हिंदी कविता पर गाँधीवादी विचारधारा के प्रभाव का वर्णन कीजिए। 15

हिंदी उपन्यास **अथवा** एकांकी विधा की विकास-यात्रा का विवेचन कीजिए। 15

प्रयोगवाद **अथवा** नई कहानी की साहित्यिक प्रवृत्तियों का उद्घाटन कीजिए। 10

P.T.O.

5. छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी निबन्ध के विकास में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के योगदान का वर्णन कीजिए।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

(*i*) रेखाचित्र

(*ii*) हिंदी नवगीत

(*iii*) हिंदी ग़ज़ल

(*iv*) नई कविता

(*v*) दलित साहित्य।

6090 is question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : 6091

ique Paper Code : 205502 G

me of the Paper : Aadhunik Kavita-2

आधुनिक कविता-2

me of the Course : B.A. (H) Hindi

mester : V

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

निम्नलिखित काव्यांश आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं से लिए गए हैं । सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7,8

(क) वहीं-वहीं प्रत्येक भरे प्याला जीवन का,
वहीं-वहीं नैवेद्य चढ़ा
अपने सुन्दर आनन्द-निमिष का,
तेरा हो,
हे विगतागत के, वर्तमान के, पद्मकोश !
हे महाबुद्ध !

अथवा

देश हैं हम
महज राजधानी नहीं ।
हम नगर थे कभी
खंडहर हो गये,

P.T.O.

जनपदों में बिखर
गांव घर हो गये,
हम जमीं पर लिखे
आसमां के तले
एक इतिहास जीवित,
कहानी नहीं ।

अथवा

अंत हर निर्माण का क्या नाश में है;
सोचने वाला सदा
सिद्धार्थ की ही नियति का है ?
छोड़ना ही चरम परिणति क्या
हमारे जोड़ने की ?
और परिणति शून्य ही क्या
है नहीं हर छोड़ने की ?
शून्य से उत्पन्न यह संसार
सार्थक है सदा क्या शून्यता में ही समाकर ?
शून्यता से अलग
या अतिरिक्त जीवन-मय दिशा
क्या नहीं कोई कहीं इसकी ?

(ख) दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद ।

अथवा

हिन्दी है मालिक की
तब आज़ादी के लिए लड़ने की भाषा फिर क्या होगी ?
हिन्दी की माँग
अब दलालों की अपने दास-मालिकों से
एक माँग है
बेहतर बर्ताव की
अधिकार की नहीं

अथवा

जबकि मैं जानता हूँ कि 'इन्कार से भरी हुई एक चीख'
और 'एक समझदार चुप'
दोनों का मतलब एक है–
भविष्य गढ़ने में, 'चुप' और 'चीख'
अपनी-अपनी जगह एक ही किस्म से
अपना-अपना फ़र्ज़ अदा करते हैं ।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** का विश्लेषणात्मक उत्तर दीजिए : 3×15=45

(क) 'कितनी नावों में कितनी बार' कविता के आधार पर अज्ञेय की प्रेमानुभूति उद्घाटित कीजिए ।

अथवा

नागार्जुन की कविता 'कालिदास' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(ख) 'दर्पण हैं हम' कविता में नवगीतकार वीरेन्द्र मिश्र ने क्या भाव व्यक्त किए हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'हिन्दी-गज़ल परंपरा' में दुष्यंत कुमार का स्थान निर्धारित कीजिए ।

(ग) 'मोचीराम' कविता के आधार पर धूमिल के अभिव्यंजना कौशल पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'अरे अब ऐसी कविता लिखो' कविता के आधार पर रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए :

(क) अज्ञेय की 'हिरोशिमा' कविता के रचना-कौशल पर विचार कीजिए ।

अथवा

'बहुत दिनों के बाद' कविता के आधार पर नागार्जुन की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

भवानी प्रसाद मिश्र की 'कालजयी' कविता की रचनात्मक प्रासंगिकता अभिव्यक्त कीजिए ।

(ख) 'मन का आकाश उड़ा जा रहा' गीत के माध्यम से शंभुनाथ सिंह की लोक-भाषा और लोक-धुन पर विचार कीजिए ।

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर रघुवीर सहाय की सामाजिक चेतना का मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

केदारनाथ सिंह की कविता 'पानी की प्रार्थना' की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

is question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **6092**

ique Paper Code : **205503** **G**

me of the Paper : **Hindi Nibandh Aur Anya Gadya Vidhayein**

me of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

mester : **V**

ration : **3** Hours Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

खंड 'क'

सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+8=15

(क) जीभ को न दबाना अनेक बुराई और क्लेश का कारण है । महाभारत ऐसा सर्वनाशी संग्राम इसी जीभ के न दबाने की बदौलत किया गया । द्रौपदी ने यदि दुर्योधन को 'अंधे के अंधे होते हैं' इस मर्मवेधी वाक्य को कह मर्म-ताडन न किया होता और दुर्योधन को पांडवों से खार न पैदा हुई होती तो परिणाम में 18 अक्षौहिणी सेना काहे को कट मरती, जिसका धक्का जो हिन्दुस्तान को लगा बल्कि जैसा कारी घाव इसके शरीर में हो गया, उसकी मरहमपट्टी आज तक न हो सकी । इन्हीं सब कारणों से सिद्ध हुआ, मनुष्य अपनी जीभ पर ज़हाँ तक चौकसी कर सके और उसको दबा सके, दबावै। इस पर चौकसी रखने से अनेक भलाईयाँ हैं और स्वच्छंद कर देने से सब तरह की बुराइयों की संभावना है ।

अथवा

जो समझता है कि वह दूसरों का अपकार कर रहा है, वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरा उसका अपकार कर रहा है, वह भी बुद्धि-हीन है । कौन किसका उपकार

P.T.O.

करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा
अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार । किसी को उससे
मिल जाए, बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परन्तु उसे अधि
नहीं होना चाहिए । सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है, तो दुःख पहुँचाने का अधि
तो नितरां गलत है ।

दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दु
वह है जिसका मन परवश है ।

(ख) मैं मानता हूँ पुस्तकें भी कुछ-कुछ घुमक्कड़ी का रस प्रदान करती हैं, लेकिन जिस
फोटो देखकर आप हिमालय के देवदार के गहन वनों और श्वेत हिम-मुकुटित शिख
के सौंदर्य, उनके रूप, उनकी गंध का अनुभव नहीं कर सकते, उसी तरह यात्रा-कथा वि
से आपको उस बूँद से भेंट नहीं हो सकती, जो कि एक घुमक्कड़ को प्राप्त होती (
अधिक से अधिक यात्रा-पाठकों के लिए यही कहा जा सकता है कि दूसरे बातों (
अपेक्षा उन्हें थोड़ा आलोक मिल जाता है और साथ ही ऐसी प्रेरणा भी मिल सक (
है, जो स्थाई नहीं तो कुछ दिनों के लिए तो उन्हें घुमक्कड़ बना ही सकती है । घुमक्क (
क्यों दुनिया की सर्वश्रेष्ठ विभूति है ? इसलिए कि उसी ने आज की दुनिया को बना (
है । यदि आदिम पुरुष एक जगह नदी या तालाब के किनारे गर्म मुल्क में पड़े रह
तो वह दुनिया को आगे नहीं ले जा सकते थे ।

अथवा

पर इस सबसे न तो कुछ होना था, न हुआ । लोग महीना-भर से जानते थे कि मित्र को जाना है । इसलिए मतलब की सभी बातें पहले ही अकेले में ख़त्म हो चुकी थीं और सबके सामने वे सभी बातें की जा चुकी थीं जो सबके सामने कही जाती हैं । सामान रखा ही जा चुका था, टिकट ख़रीदा ही जा चुका था । मालाएँ डाली ही जा चुकी थीं । हाथ या गले या दोनों मिल ही चुके थे और गाड़ी चलने का नाम तक न लेती थी । थिएटर में जब हीरों पर वार करने के लिए विलेन खंजर तानकर तिरछा खड़ा हो जाता है, उस वक्त परदे की डोरी अटक जाए तो सोचिए क्या होगा ? कुछ वैसी ही हालत थी । पर्दा नहीं गिर रहा था ।

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×15=45

(क) 'भेड़ियाधसान' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए ।

(ख) 'करुणा' निबंध की तात्विक समीक्षा कीजिए ।

(ग) 'तमाल के झरोखे से' निबंध के केंद्रीय विचार का विश्लेषण कीजिए ।

(घ) 'अदम्य जीवन' के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य रचना में सरकारी तंत्र और कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर करारा व्यंग्य किया गया है । स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

खंड 'ख'

3. (क) 'सर्चलाइट' के संपादक के रूप में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की भूमिका पर विचार कीजिए ।

अथवा

बिहार में आए भूकंप का अपनी आत्मकथा में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने जो वर्णन किया है, उसका उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'जूठन दलित-जीवन का प्रामाणिक दस्तावेज़ है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

अपनी आत्मकथा में बच्चन ने कवि-सम्मेलनों के बारे में क्या कहा है ?

अथवा

'उग्र' जी स्वयं को ब्राह्मण कुल में पैदा होना नियति की भूल क्यों मानते हैं ? 'अपनी खबर' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

his question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **6093**

nique Paper Code : **205504** **G**

ame of the Paper : **Paper XVII — Hindi Natak**

ame of the Course : **B.A. (H) Hindi**

emester : **V**

uration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+7=15

(क) जागो जागो रे भाई!

सोवत निसि द्यौस गंवाई जागो जागो रे भाई॥

निसि की कौन कहे दिन बीत्यौ काल राति चलि आई।

देखि परत नहिं हित अनहित कछु परे बैरि बस जाई॥

निज उद्धार पंथ नहिं सूझत सीस धुनत पछिताई।

अबहुं चेति, पकरि राखो किन जो कछु बची बड़ाई॥

फिर पछिताए कछु नहीं हवै है रहि जैहो मुंह बाई

जागो जागो रे भाई॥

P.T.O.

(ख) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-सम्प
समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है। वह मेरे साथ नहीं क
सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौ
नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो। हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बच
के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी।

(ग) प्रेम का नाम न लो। वह एक पीड़ा थी जो छूट गई। उसकी कसक भी धीरे-धीरे
हो जाएगी। राजा, मैं तुम्हें प्यार नहीं करती। मैं तो दर्प से दीप्त तुम्हारी महत्त्वमयी पुरुष-मू
की पुजारिन थी, जिसमें पृथ्वी पर अपने पैरों से खड़े रहने की दृढ़ता थी। इस स्वार्थ-मलि
कलुष से भरी मूर्ति से मेरा परिचय नहीं। अपने तेज की अग्नि में जो सब कुछ भ
कर सकता हो, उस दृढ़ता का आकाश के नक्षत्र कुछ बना-बिगाड़ नहीं सकते।
आशंका मात्र से दुर्बल-कम्पित और भयभीत हो।

(घ) एक जमाने में ब्रह्मावर्त के आर्यों और इन्द्र ने इनके नगरों को नष्ट किया ... सि
इरावती और सरस्वती के तट पर वे जगमगाते नगर वीरान हो गए। उन्हें डर है
अब ब्रह्मावर्त के मुनि अपने यज्ञों के नाम पर जंगलों को काट रहे हैं। मिट्टी बह
सरस्वती धारा को बन्द कर रही है। इस तरह उनकी बची-खुची खेती ही मटिया
हो जाएगी।

2. "'भारत-दुर्दशा' भारतीय नवजागरण की साहित्यिक अभिव्यक्ति है," इस कथन पर टिप्प
कीजिए।

अथवा

"भारत-दुर्दशा" के नाट्य-रूप पर विचार कीजिए।

'ध्रुवस्वामिनी' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नाट्य-कला का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' की पात्र-योजना पर विचार कीजिए।

'पहला राजा' की मुख्य समस्या पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'श्यामा : एक वैवाहिक विडंबना' में व्यक्त समस्याओं पर विचार कीजिए।

किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15

(*i*) 'कोर्ट मार्शल' में व्यक्त जाति-व्यवस्था के रूप पर विचार कीजिए।

(*ii*) "एक सत्य हरिश्चन्द्र" की कथा-वस्तु का विश्लेषण कीजिए।

(*iii*) "नेपथ्य-राग" की कथा-वस्तु की समीक्षा कीजिए।

(*iv*) "मुक्ति का रहस्य" के प्रमुख पात्रों का चरित्रांकन कीजिए।

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : 5172 **G**

Unique Paper Code : **205155**

Name of Paper : **Katha Evam Sansmaran Sahitya**

Name of Course : **B.A. (Prog.) Hindi Discipline**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास का परिचय दीजिए।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। 9

2. हिन्दी संस्मरण के उद्‌भव और विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

महादेवी वर्मा ने अपने संस्मरण साहित्य में किन समस्याओं को उठाया है? विचार कीजिए। 9

3. किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9

(क) कश्मीर स्वर्ग है और कश्मीर का शालीमार स्वर्गोद्यान। उसी स्वर्गोद्यान में बड़े-से चिनार के पेड़ के नीचे सब बैठे हैं। बाहर झील में उनका बजरा ठहरा है। जहाँ बैठे हैं, मखमली-सी दूब का कालीन दूर तक फैला हुआ है। सामने ही नहर है। किलोल खाती बह रही है, मछलियाँ उसमें खेल रही हैं। वह नहर बहती-बहती फिर संगमरमर के प्रपात पर जा उतरती है, धीरे-धीरे बलखाती, इठलाती और खेलती हुई। मानो शहंशाह शाहजहाँ की सौंदर्य-कल्पनाधारा जलमय होकर, लहरियों का शुभ-नील हल्का वसन पहनकर, हमें अपनी अठखेलियाँ दिखला रही हो!

अथवा

इस सौभाग्य को किसी की नजर न लगने पाएगी। आज उसमें ना जाने कहाँ की लाज समा गई है। धोती के बाहर अपना अंगूठा दिख जाता है, तो सिहर उठती है, सिमटकर वहीं बैठ जाने को जी होता है। आज वह अपने सौभाग्य को साथ लेकर, मन होता है, कहीं गड़कर सो जाएं कि फिर उठें ही नहीं, कहीं दुबक जाएं कि फिर दिखें ही नहीं। सिमटी-सिमटाई, सहमी-सहमी। अचक से घर में घुसी और बत्ती जलाकर खाट पर बैठ गयी। रात भर नींद नहीं आयी। उसने भी व्यर्थ चेष्टा नहीं की। सारी रात न जाने कहाँ-कहाँ उड़ती रही, धरती पर तो एक क्षण भी टिककर ठहर सकी नहीं।

(परख से)

P. T. O.

'थोड़ी-सी जगह और काफी पेड़-पौधे ..... रेंगने वाले कीड़ों के लिए तो वह कुंजवन ही था। बरसात का मौसम उस कुंजवन को बेहद घना कर देता था। रात-भर मेंढक, न्यौले और झींगुर वहाँ कोलाहल मचाए रहते। पड़ोस का घर एक कविजी महाराज का था। पत्नी, तीन बच्चे और पीतल कांसे के चार-छः मामूली बर्तन, मिट्टी के दो-तीन मटके, फटे कंबलों और पुरानी रजाईयों का छोटा-सा ढेर, टूटी तख्तपोश ..... ऊपर से फूस के छप्परों वाला पुराना मकान। गिरस्ती का बुरा हाल था। बच्चे शायद ही तंदुरुस्त रहते हों।

अथवा

'जो हाथी के पोढ़े दांतों की सूरत होती है, उन दिनों मेरी छालों की वही सूरत थी, भीनी-भीनी-सी कसैली खुशबू उन छालों की एक खास खूबी थी। जो भी करीब आता, नथने फैला कर गहरी सांसें खींचा करता। चर चुकने के बाद बथानों की ओर लौटने वाले ढोर-डंगर मुझे जरूर सूंघते जाते। 'उस वर्ष पहली बार मेरी टहनियों में फलियाँ लगी थीं। पकने पर जंगली गूलर के फलों-जैसी लाल सुर्ख और उतनी ही बड़ी दिखाई देती थीं।

(बाबा बटेसरनाथ से)

(ग) "चतुर पुरुष हाट में हिरती-फिरती धनलक्ष्मी और यौवनलक्ष्मी को महत्व नहीं दिया करते मित्र! वे उस लक्ष्मी का ही वरण करते हैं जो उन के घर में स्थायी रूप से आती हैं।" कोवलन ने सदर्प उत्तर दिया। "साधु! यह वचन होनहार पुरुष के ही योग्य हैं। दिन-भर जगह जगह इस प्रसंग की चर्चा रही। कोवलन के पिता ने भी सुना और श्वसुर ने भी। उन्हें अपने पुत्र पर गर्व हुआ।

अथवा

विधि का विधान बड़ा निर्मम होता है नागरत्ना। विधाता मनुष्य के चरित्र के जिस पक्ष को विकसित करना चाहता है, वह पक्ष यदि मौखिक उपदेशों से नहीं सँवरता तो नियति परिस्थितियों के कोड़े मार-मारकर सँवारती है। इसका भाग्य ऐसा ही कठोर विधान रच रहा है। मेरी अंधी, उग्र अहंता को भी ऐसी ही विकट मार पड़ी थी। जैसी प्रभु की इच्छा! उसके आगे किसी का वश नहीं चलता।

(सुहाग के नूपुर से)

12

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(i) 'परख' भावनाओं और कर्त्तव्यों की कशमकश की यथार्थ अभिव्यक्ति है। उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

अथवा

" 'परख' उपन्यास में चित्रित पात्र बिहारी गाँधीवादी आदर्शों का प्रतीक है।" स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'सुहाग के नूपुर' उपन्यास की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

अथवा

'सुहाग के नूपुर' की पात्र माधवी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iii) 'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास के माध्यम से उपन्यासकार क्या उपदेश देना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

15

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

हम तो कलवार और कसाई के तगादे सहें, बुढ़ापे में भगत बनकर बैठें और वहां बस वही सूखी तनख्वाह! हमने भी तो नौकरी की है और कोई ओहदेदार नहीं थे। लेकिन काम किया, दिल खोल कर

P. T. O.

किया और आप ईमानदार बनने चले हैं। घर में चाहे अंधेरा हो, मस्जिद में अवश्य दिया जलाएँगे। खेद ऐसी समझ पर! पढ़ना-लिखना सब अकारथ गया।

अथवा

"हम सरकारी हुक्म को नहीं जानते और न सरकार को। हमारे सरकार तो आप हीं हैं। हमारा और आपका तो घर का मामला है, हम कभी आपसे बाहर हो सकते हैं? आपने व्यर्थ का कष्ट उठाया। यह हो नहीं सकता कि इधर से जाएं और इस घाट के देवता को भेंट ना चढ़ावें। मैं तो आपकी सेवा में स्वयं ही आ रहा था।" 8

6. 'परदा' कहानी की मूल समस्या पर विचार कीजिए।

अथवा

'पाजेब' कहानी के बाल-पात्र आशुतोष का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

7. 'नाट्य सम्राट पृथ्वीराज कपूर' के आधार पर पृथ्वीराज कपूर के नाट्य-संबंधी योगदान का आकलन करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"सूर्यकांत त्रिपाठी निराला छायावाद के मूर्धन्य कवि हैं।" निराला की साहित्य-साधना के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए। 15

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : 7824

GC

Unique Paper Code : 62051103

Name of Paper : **Hindi B**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय।।

अथवा

सुनि केवट के बैन प्रेम लपेटे अटपटे।
बिहसे करुणाऐन चितह जानकी लखन तन।।

(ख) इंद्र जिमि जंभ पर, बाड़व ज्यौं अंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन बारिबाह पर, संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर, चीता मृगझुंड पर, भूषण बितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम-अंस पर, कान्ह जिमि कंस पर, त्यौं मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है।

अथवा

सटपटाति-सी ससिमुखी, मुख घूँघट-पटु ढाँकि।
पावक झर-सी झमकि कै गई झरोखा झाँकि।।

(ग) कृष्णचंद्र की क्रीड़ाओं को
अपने आँगन में देखो।
कौशल्या के मातृमोद को
अपने ही मन में लेखो।।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मंद्र रव;
नव नभ के नव विहग-वृंद को
नव पर, नव स्वर दे!

10+10+10=30

2. बिहारी **अथवा** भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

3. 'केवट-प्रसंग' **अथवा** कबीर की साखियों का सार लिखिए। 10

P. T. O.

4. भूषण **अथवा** बिहारी की रचनाओं के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

5. (क) किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए:

   (i) हिन्दी का उद्‌भव

   (ii) खड़ी बोली।

   (ख) किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए:

   (i) आदिकालीन कविता

   (ii) राम-भक्ति-काव्य

   (iii) रीति काल

   (iv) द्विवेदी युग।

This question paper contains 2 printed pages. *Your Roll No.* .....

Sl. No. of Ques. Paper : 7823 **GC**

Unique Paper Code : 62051102

Name of Paper : **Hindi Bhasha aur Sahitya – A**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) कबीर इस संसार को, समझाऊँ कै बार।
पूँछ जु पकड़ै भेड़ को, उतरया चाहै पार।।
जांनि बूझि साँचहिं तजैं, करैं झूठ सूँ नेहु।
ताको संगति राम जी, सुपिनैं हो जिनि देहु।।

अथवा

मण थें परस हरि रे चरण।।
सुभग सीतल कँवल कोमल, जगत ज्वाला हरण।
इण चरण प्रह्लाद परस्याँ, इन्द्र पदवी धरण।
इण चरण ध्रुव अटल करस्याँ, सरण असरण सरण।
इण चरण ब्रह्माण्ड भेट्याँ, नखसिखाँ गिरि भरण।
इण चरण कालियाँ णाथ्याँ, गोपी लीला करण।
इण चरण गोबरधन धारयाँ, गरब मघवा हरण।
दासि मीराँ लाल गिरधर, अगम तारण तरण।

(ख) चल्यौ जाइ, ह्याँ को करै हाथिनु के व्यापार।
नहिं जानतु, इहिं पर बसैं, धोबी, ओड़ कुँभार।।
नीच हियैं हुलसे रहैं, गहे गेंद के पोत।
ज्यौं ज्यौं माथैं मारियत, त्यौं त्यौं ऊँचे होत।।

अथवा

आँखि ही मेरी पै चेरी भई लखि फेरी फिरै न सुजान की घेरी।
रूप-छकी, तित ही बिथकी, अब ऐसी अनेरी पत्याति न नेरी।
प्रान लै साथ परी पर-हाथ बिकानि की बानि पै कानि बखेरी।
पायनि पारि लई घनआनँद चायनि, बावरी प्रीति की बेरी।।

(ग) हा! बन्धुओं के ही करों से बन्धु-गण मारे गये!
हा! तात से सुत, शिष्य से गुरु स-हठ संहारे गये!
इच्छा-रहित भी वीर पाण्डव रत हुए रण में अहो!
कर्त्तव्य के वश विज्ञ जन क्या-क्या नहीं करते कहो?

P. T. O.

अथवा

रे, रोक युधिष्ठिर को न यहाँ,
जाने दे उनको स्वर्ग धीर,
पर, फिरा हमें गाण्डीव-गदा,
लौटा दे अर्जुन-भीम वीर।
कह दे शंकर से, आज करें
वे प्रलय-नृत्य फिर एक बार
सारे भारत में गूँज उठे,
'हर-हर-बम' का फिर महोच्चार। 10×3=30

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए:

(क) कबीर

(ख) मीराँबाई। 10

3. बिहारी के दोहों के आधार पर उनके काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए।

अथवा

घनानंद की प्रेम व्यंजना स्पष्ट कीजिए। 10

4. 'हिमाद्रि तुंग शृंग से' कविता के आधार पर प्रसाद जी की काव्य-कला पर विचार कीजिए।

अथवा

'बादल को घिरते देखा है' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) हिन्दी भाषा का परिचय

(ख) आधुनिक भारतीय भाषाएँ

(ग) आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ

(घ) कृष्ण भक्ति धारा

(ङ) भारतेन्दु युग

(च) हिन्दी नाटक। 5×3=1

This question paper contains 2 printed pages. **Your Roll No. ....**

Sl. No. of Ques. Paper : 7825 **GC**

Unique Paper Code : 62051104

Name of Paper : Hindi-C

Name of Course : B.A. (Prog.)

Semester : I

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) यह धरती कितना देती है! धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
नहीं समझ पाया था मैं उसके महत्त्व को,
बचपन में छिः, स्वार्थ लोभ वश पैसे बो कर!
रत्न प्रसविनी है वसुधा, अब समझ सका हूँ!

अथवा

निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे।
मरणोत्तर गुन्जित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे
कुछ हो न तजो निज साधन को
नर हो, न निराश करो मन को।

(ख) रावरै रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आंखिन बानि अनोखी अघानि कहूँ नहिं आन तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वारयौ सुजान सकोच और सोच सहारियै।
रोकी रहै न, दहै घनआनंद बाबरी रीझ के हाथनि हारियै।।

अथवा

कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
वा खाये बौरात है, या पाये बौराय।।

(ग) निदंक नियरे राखिये आँगन कुटि छबाय।
बिन पाणी साबुण बिना निरमल करै सुभाय।।

अथवा

ऊधौ मन न भय दस बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम सँग, को अवराधै ईस।
इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।

P. T. O.

P.T.O.

आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तौ सखा स्याम सुंदर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारैं नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस।।

10+10+

2. "मैया मैं नहिं माखन खायौ" —सूरदास के इस पद का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

3. बिहारी **अथवा** घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. 'नर हो, न निराश करो मन'— गुप्त जी की कविता का भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'आह धरती कितना देती है' का सार लिखिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(i) हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय

(ii) हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

(iii) हिन्दी साहित्य का आदिकाल

(iv) भक्तिकाल की विशेषताएँ

(v) छायावादी कविता

(vi) प्रगतिवाद का परिचय।

This question paper contains 2 printed page.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper : 7845 **GC**

Unique Paper Code : 62051101

Name of Paper : **Hindi Bhasha aur Sahitya ka Itihaas**

Name of Course : **B.A. (Prog.) Hindi Discipline**

Semester : I

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिन्दी भाषा की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आदिकाल की मुख्य विशेषताएँ रेखांकित कीजिए। 12

2. ज्ञानमार्गी भक्ति काव्यधारा की मुख्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

'भक्ति आंदोलन के उदय' पर एक आलेख लिखिए। 12

3. 'रीति' शब्द को परिभाषित करते हुए रीतिकाल के नाम की सार्थकता पर विचार कीजिए।

अथवा

रीतिबद्ध काव्यधारा की विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 12

4. मध्यकालीन और आधुनिक बोध की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

द्विवेदीयुगीन कविता की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए। 12

5. किन्हीं **तीन** विषयों पर टिप्पणी कीजिए:

(क) रासो काव्य

(ख) सगुण भक्ति काव्य

(ग) आदिकाल का नामकरण

(घ) सूफी काव्य

(ड) रीतिमुक्त काव्य। 5×3=15

6. किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणी लिखिए:

(क) भारतेंदु और हिन्दी नवजागरण

(ख) प्रगतिवाद

(ग) हिन्दी कहानी

(घ) हिन्दी एकांकी।

6×2=

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7872

Unique Paper Code : 62051112 GC

Name of the Paper : Paper I : Hindi Bhasha Anuprayog Ke Kshetra

Name of the Course : B.A. (Prog.) Functional Hindi (प्रयोजनमूलक हिंदी)

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सामान्य भाषा की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

"रचनात्मक भाषा में अनुभूति की प्रधानता होती है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

2. मानक भाषा की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए । 12

अथवा

प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ लिखिए ।

3. प्रशासनिक भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । 12

अथवा

राजभाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

4. "विज्ञापन और बाजार ने हिंदी भाषा को विस्तार प्रदान किया है ।" इस कथन पर विचार कीजिए । 12

अथवा

व्यावसायिक क्षेत्रों में हिंदी भाषा की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

5. शिक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी की भूमिका पर विचार कीजिए ।

अथवा

वाणिज्य अध्ययन के क्षेत्र में हिंदी की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए ।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) सीमित कोड

(ख) विधि क्षेत्र में हिंदी

(ग) खेल-कूद के क्षेत्र में हिंदी

(घ) वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी ।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8062 **GC** **Your Roll No.....**
प्रश्न पत्र का क्रमांक **आपका अनुक्रमांक.....**

Unique Paper Code : 62051312
यूनिक पेपर कोड

Name of the Paper : Hindi-A

Name of the Course : **B.A. (Prog) Hindi A**
पाठ्यक्रम का नाम : **बी. ए. (प्रोग्राम) सी.बी.सी.एस.**

Semester / Annual : III
सेमेस्टर / वार्षिक : तीन

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (15)

(क) शीतकाल की रजनीं, मेघों से भरा आकाश, जिसमें बिजली की दौड़-धूप। मधूलिका का छाजन टपक रहा था; ओढ़ने की कमी थीं। वह ठिठुरकर एक कोने में बैठी थी। जीवन में सामंजस्य बनाए रखनेवाले उपकरण तो अपनी सीमा निर्धारित रखते हैं, परंतु उनकी आवश्यकता और कल्पना भावना के साथ बढती-घटती रहती है। आज बहुत दिनों से बीती हुई बात स्मरण हुई- "दो, नही-नहीं तीन वर्ष हुए होंगे, इसी मधूक के नीचे, प्रभात में-तरुण राजकुमार ने क्या कहा था?"

अथवा

गनी छड़ी के सहारे चलता हुआ किसी तरह मलबे के पास पहुँच गया। मलबे में अब मिट्टी-ही-मिट्टी थी जिसमें से जहाँ-तहाँ टूटी और जली हुई ईटें बाहर झाँक रही थी। लोहे और लकड़ी का समान उसमें से कब का निकाला जा चुका था। केवल एक जले हुए दरवाजे का चौखट

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8062 GC Your Roll No.....
प्रश्न पत्र का क्रमांक आपका अनुक्रमांक.....

Unique Paper Code : 62051312
यूनिक पेपर कोड

Name of the Paper : Hindi-A

Name of the Course : **B.A. (Prog) Hindi A**
पाठ्यक्रम का नाम : बी. ए. (प्रोग्राम) सी.बी.सी.एस.

Semester / Annual : III
सेमेस्टर / वार्षिक : तीन

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (15)

(क) शीतकाल की रजनीं, मेघों से भरा आकाश, जिसमें बिजली की दौड़-धूप। मधूलिका का छाजन टपक रहा था; ओढ़ने की कमी थीं। वह ठिठुरकर एक कोने में बैठी थी। जीवन में सामंजस्य बनाए रखनेवाले उपकरण तो अपनी सीमा निर्धारित रखते हैं, परंतु उनकी आवश्यकता और कल्पना भावना के साथ बढती-घटती रहती है। आज बहुत दिनों से बीती हुई बात स्मरण हुई- "दो, नही-नहीं तीन वर्ष हुए होंगे, इसी मधूक के नीचे, प्रभात में-तरुण राजकुमार ने क्या कहा था?"

अथवा

गनी छड़ी के सहारे चलता हुआ किसी तरह मलबे के पास पहुँच गया। मलबे में अब मिट्टी-ही-मिट्टी थी जिसमें से जहाँ-तहाँ टूटी और जली हुई ईंटें बाहर झाँक रही थी। लोहे और लकड़ी का समान उसमें से कब का निकाला जा चुका था। केवल एक जले हुए दरवाजे का चौखट

न जाने कैसे बचा रह गया था। पीछे की तरफ दो जली हुई अलमारियां थी, जिनकी कालिख पर अब सफेदी की हल्की-हल्की तह उभर आयी थीं। उस मलबे को पास से देखकर गनी ने कहा, "यह बाकी रह गया है, यह?"

(ख) मनुष्य को सुख कैसे मिलेगा? बड़े-बड़े नेता कहते हैं, वस्तुओं की कमी है, और मशीन बैठाओ, और उत्पादन बढ़ाओ, और धन की वृद्धि करो और बाह्य उपकरणों की ताकत बढ़ाओ। एक बूढ़ा था। उसने कहा था बाहर नहीं: भीतर की ओर देखो। हिंसा को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ, क्रोध और द्वेष को दूर करो लोक के लिए कष्ट सहो, आराम की बात मत सोचो, प्रेम की बात सोचो। आत्म-तोषण की मत सोचो, काम करने की बात सोचो। उसने कहा-प्रेम ही बड़ी चीज है, क्योंकि वह हमारे भीतर है। उच्छृंखलता पशु की प्रवृत्ति है, 'स्व' का बंधन मनुष्य का स्वभाव है।

अथवा

नारद ने सोचा कि फिर यहाँ वज़न की समस्या खड़ी हो गयी। साहब बोले- "भई, सरकारी पैसे का मामला है। पेंशन का केस बीसों दफ्तरों में जाता है। देर लग ही जाती है। बीसों बार एक ही बात को बीज जगह लिखना पड़ता है, तब पक्की होती है। जितनी पेंशन मिलती है, उतनी ही स्टेशनरी लग जाती है। हाँ, जल्दी भी हो सकती है, मगर....."

2. नाटक का सामान्य परिचय दीजिए। (12)

अथवा

हिंदी व्यंग्य की विकास-यात्रा को स्पष्ट कीजिए।

3. 'नमक का दरोगा' कहानी में समाज की किस मूल समस्या को अभिव्यक्त किया गया है। (12)

अथवा

'मैं हार गई' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

4. 'उत्साह' निबंध का सार अपने शब्दों में लिखिए। (12)

अथवा

'साहित्य जन समूह के हदय का विकास है' निबंध का सार लिखिए।

5. घीसा रेखा चित्र की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'भोला राम का जीव' मे निहित व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए। (12)

1. प्रेचचन्द्र युगीन कहानी

2. भारतेन्दु युग के नाटक

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8063 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 62051313

Name of the Paper : हिन्दी भाषा और साहित्य

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi B**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य है-

1. कहानी के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके विकास को स्पष्ट कीजिए। (12)

2. 'बूढ़ी काकी' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजए।

अथवा

'उसने कहा था' शिल्प की दृष्टि से अत्यंत सशक्त रचना है - स्पष्ट कीजिए। (12)

3. 'मेले में ऊँट' निबंध में राजनीतिक पराधीनता से मुक्ति को महत्व दिया गया है-- स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सदाचार का ताबीज' में मूल्यों के पतन और भ्रष्ट व्यवस्था को चित्रित किया गया है। स्पष्ट कीजिए। (12)

4. 'अंधेर नगरी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'बिबिया' एक संस्मरणात्मक रेखाचित्र है। विवेचन कीजिए। (12)

5. निम्नलिखित प्रसंगों की व्याख्या कीजिए-

(क) रूपा उस समय कार्यभार से उद्‌विग्न हो रही थी। कभी इस कोठे में जाती, कभी उस कोठे में, कभी कड़ाह के पास आती, कभी कंडार में जाती। किसी ने बाहर से आकर कहा- - ' महाराज ठंडाई माँग रहे हैं।' 'ठंडाई देने लगी। इतने में फिर किसी ने आकर कहा - - 'भाट आया है, उसे कुछ दे दो। 'भाट के लिए सीधा निकाल रही थी कि एक तीसरे आदमी ने आकर पूछा - - ' अभी भोजन तैयार होने में कितना विलंब है।'

अथवा

छोटे-से मंच पर बैठी, गंगा की उमड़ती हुई धारा को पन्ना अनमनस्क होकर देखने लगी। उस बात को, जी अतीत में एक बार, हाथ से अनजाने में खिसक जानेवाली वस्तु की तरह गुप्त हो गई, सोचने का कोई कारण नहीं। उससे कुछ बनता-बिगड़ता भी नहीं, परंतु मानव-स्वभाव हिसाब रखने की प्रथानुसार कभी-कभी कह बैठता है, "कि यदि यह बात हो गई होती तो।"। (10)

(ख) साधु ने समझाया, 'महाराज, भ्रष्टाचार और सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है, बाहर से नहीं होता। विधाता जब मनुष्य को बनाता है तब किसी की आत्मा में ईमान की कल फिट कर देता है और किसी भी आत्मा में बेईमानी की। इस कल में से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं, जिन्हें 'आत्मा की पुकार' कहते हैं।

अथवा

अंधेर नागरी अनबूझ राजा। टाका सेर भाजी टाका सेर खाजा।।

नीच उंच सब एकहि ऐसे। जैसे भँडुए पंडित तैसे।।

कुल-मरजाद न मान बड़ाई। सबै एक से लोग-लुगाई।।

जात-पाँत पूछै नहिं कोई। हरि को भजै सो हरि का होई।। (10)

6. निम्नलिखित किसी एक पर टिप्पणी लिखिए- -

(क) कहानी और उपन्यास में अंतर।

अथवा

(ख) भारतेन्दु युगीन निबंध

अथवा

(ग) नाटक की कथावस्तु (7)

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper	: 5294
Unique Paper Code	: 205539
Name of Paper	: Hindi (A)
Name of Course	: B.A. (Prog.)
Semester	: V
Duration	: 3 hours
Maximum Marks	: 75

G

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 9,9

(क) छोड़कर पार्थिव भोग विभूति, प्रेयसी का दुर्लभ वह प्यार।
पिता का वक्ष भरा वात्सल्य, पुत्र का शैशव सुलभ दुलार।
दुख का करके सत्य निदान, प्राणियों का करने उद्धार।
सुनाने आरण्यक संवाद, तथागत आया तेरे द्वार।

(i) प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(ii) 'पार्थिव भोग विभूति' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'तथागत' किसके द्वार आये?

(ख) किसी भाषा के सामान्य प्रयोग करने वाले उसके कुछ सहस्र शब्दों का ही प्रयोग करते हैं, पर उसी के विशिष्ट प्रयोग करने वाले लाखों शब्दों का व्यवहार करते हैं। जितने अधिक शब्दों का प्रयोग किसी भाषा में होता होगा वह उतनी ही समृद्ध समझी जाएगी। अंग्रेज़ी को अपनी इसी विशेषता के कारण संसार की भाषाओं में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इस पाठ के लेखक का नाम भी लिखिए।

(ii) अंग्रेज़ी भाषा को समृद्ध भाषा क्यों कहा जाता है?

(iii) प्रस्तुत गद्यांश की भाषा पर विचार कीजिए।

(ग) तुमने तो मुझे कलम से पैदा किया है, मेरे इन दोस्तों को देखो! इनकी अम्माओं ने तो इन्हें अपने जिस्म से पैदा किया है। फिर भी वे इनके निजी जीवन में इतना हस्तक्षेप नहीं करती, जितना तुम करती हो। तुमने तो मेरी नाक में दम कर रखा है। ऐसा करो, वैसा मत करो। मानो मैं आदमी नहीं, काठ का उल्लू हूँ। सो बाबा ऐसी नेतागिरी मुझसे निभाए न निभेगी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इस पाठ के लेखक का नाम भी लिखिए।

(ii) 'कलम से पैदा' करने का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश की भाषा-शैली पर विचार कीजिए।

P.T.O.

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) 'पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ' एकांकी के व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'बाजार दर्शन' निबंध का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा' का कथ्य लिखिए।

(iv) 'मुझको न मिला रे कभी प्यार' कविता का भाव स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) 'भाषा बहता नीर' है, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) भाषा के विविध अंगों पर विचार कीजिए।

(iii) हिन्दी भाषा के संरचनात्मक गठन को समझाइए।

(iv) भाषा के अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) भाषा और समाज का आपसी संबंध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सामाजिक स्तर-भेद का भाषिक विविधता पर क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिए।

(ii) औपचारिक भाषा और अनौपचारिक भाषा का अर्थ समझाइए।

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) किन्हीं **पाँच** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए:

अँधेरा, माता, दूध, सांझ, नाच, सपना।

(ii) अरी वरुणा की शांत कछार!
तपस्वी के विराग की प्यार!

उपरोक्त पंक्तियों में निहित शब्द-शक्ति स्पष्ट कीजिए।

(iii) निम्नलिखित एकार्थी शब्दों में से **पाँच** का वाक्य में ऐसे प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ जाए:

विमल, जत्था, घृणा, विजयी, तपस्वी, उन्मत्त।

(iv) किन्हीं **पाँच** अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ स्पष्ट कीजिए:

राग, आस्था, विधि, पद, गुरु, काम, फल।

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : 5295

G

Unique Paper Code : 205540

Name of Paper : Hindi (B)

Name of Course : B.A. (Prog.)

Semester : V

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 8,8

(क) बहुधा प्रकाशक किसी लेखक की पहली रचना पर एजेंट द्वारा बोली लगवाए जाने पर बतौर अग्रिम रॉयल्टी एक बहुत बड़ी राशि देने को इसलिए तैयार हो जाते हैं कि यह बात खुद अपने में एक खबर बनेगी और बहुत से लोग किताब इसीलिए खरीदेंगे कि जिसके लिए इतनी तगड़ी रॉयल्टी पेशगी दी गई, वह निश्चय ही कोई अद्‌भुत कृति होगी। मुक्त-मंडी में ऐसी हर कृति का कोई महत्त्व नहीं रह गया है जिसे 'बैस्टसेलर' का दर्जा न मिल पाया हो, जिन कृतियों को यह सौभाग्य प्राप्त होता है, उनका भी महत्त्व तभी तक रहता है जब तक कि 'बैस्टसेलर' सूची के किसी-न-किसी पायदान पर वह विराजमान रह सकें। बल्कि शायद यों कहना चाहिए कि मुक्त-मंडी में 'बैस्टसेलर' का ही मतलब होता है स्वयं 'बैस्ट सेलिंग' पुस्तक।

(i) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) मुक्त-मंडी में 'बैस्टसेलर' पुस्तक का क्या महत्व है?

(iii) भारी अग्रिम रॉयल्टी की राजनीति क्या है?

(iv) लेखक के लिए 'बैस्टसेलर' होने का क्या महत्व है?

(ख) आज अमीरों की हवेली
किसानों की होगी पाठशाला
धोबी, पासी, चमार, तेली
खोलेंगे अँधेरे का ताला,
एक पाठ पढ़ेंगे, टाट बिछाओ।

यहाँ जहाँ सेठजी बैठे थे
बनिए की आँख दिखाते हुए,
उनके ऐंठाए ऐंठे थे
धोखे पर धोखा खाते हुए,
बैंक किसानों का खुलवाओ।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ii) अमीरों की हवेली किसानों की पाठशाला बनाने से कवि का आशय क्या है?

(iii) 'एक पाठ पढ़ेंगे' कहकर कवि कौन-सा पाठ पढ़ाना चाहता है?

(iv) कवि किसानों के लिए बैंक क्यों खुलवाना चाहता है?

(ग) एक ही समय में, एक ही शहर में, साहित्य को नई दिशा देने वाले ये दो महारथी— एक-दूसरे से कितने पृथक् थे! एक को, इतिहास के सड़े-गले पन्नों से नए-नए पात्र ढूँढ निकालने और उनमें फिर से प्राणप्रतिष्ठा करने की व्याकुलता थी— वेद, पुराण, इतिहास जहाँ से जो कुछ अलौकिक जँचा, उसे लिया और उसे अमरता दे दी। दूसरे को, अपने गाँव, मोहल्ले या शहर में उसकी आँखों के सामने चलने-फिरने वाले के जीवन में ही रस मिलता था और उन्हीं को नाना रूप में सजाकर, सँवारकर लोगों के सामने उपस्थित करने में उसे मजा आता था। यह कहता था, "गड़े मुर्दे को क्या उखाड़ रहे हो— देखों, इन्हें! क्या तुम्हारी कला के ये हकदार नहीं हैं?"

(i) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) साहित्य के ये दो महारथी कौन थे और एक-दूसरे से किस प्रकार पृथक् थे?

(iii) 'गड़े मुर्दे उखाड़ने' कथन का क्या आशय है?

(iv) 'कला का हकदार' लेखक किसे बनाना चाहता है?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3,3,3

(i) 'इत्यादि' से 'बाकी सब' डरने क्यों लगते हैं?

(ii) लेखक ने अपने काशी प्रवास के दिनों को अपने जीवन के सुखदतम दिन क्यों कहा है?

(iii) लेखक ने गाँधी जी को 'कर्मवीर' किस आधार पर कहा है?

(iv) 'स्वराज्य' का कैसा सपना राहुल सांकृत्यायन ने देखा था?

(v) 'शिनशिनाकी बूबलाबू' की बातों से लेखक का क्या अभिप्राय है?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 6,6,6

(i) हिन्दी की किन्हीं **दो** प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिए।

(ii) भाषा और बोली में क्या अंतर है?

(iii) ब्रजभाषा का सामान्य परिचय दीजिए।

(iv) हिन्दी की भौगोलिक स्थिति का उद्घाटन कीजिए।

4. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 6,6,6

(i) भाषा और लिपि का अंत:संबंध

(ii) लिपि की आवश्यकता

(iii) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

(iv) देवनागरी लिपि एक आधुनिक लिपि है, सप्रमाण विवेचन कीजिए।

5. 'शब्द-शक्ति' का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

लक्षणा शब्द-शक्ति का परिचय दीजिए। 6

6. (क) 'न वह देवी रही, न वह कड़ाहा रहा' इस पंक्ति के लाक्षणिक सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए। 4

(ख) 'पुस्तक घोंटकर पी जाना' वाक्यांश का व्यंजनार्थ स्पष्ट कीजिए। 4

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

. No. of Question Paper : **7895**

Unique Paper Code : **72052802** **GC**

Name of the Paper : **हिंदी भाषा और संप्रेषण (MIL Communication)**

Name of the Course : **Ability Enhancement Compulsory Course**

emester : **I**

मय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

संप्रेषण का अर्थ बंताते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'अर्थ संप्रेषण' भाषा का सबसे प्रमुख कार्य है ।' इस कथन पर विचार कीजिए । 10

भ्रामक संप्रेषण (Miscommunication) की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए संप्रेषण में आने वाली बाधाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

वैयक्तिक और सामाजिक सम्प्रेषण को स्पष्ट करते हुए दोनों में अंतर बताइए । 10

संप्रेषण में 'सामूहिक चर्चा' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'एक प्रभावी संप्रेषण ही कथ्य को पूरी तरह स्पष्ट कर पाता है ।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए । 10

P.T.O.

4. भाषिक क्षमता के विकास में 'गहन अध्ययन' की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

विश्लेषण और व्याख्या किस तरह संप्रेषण को सहज और प्रभावी बनाते हैं ? स्पष्ट कीजि

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(1) संप्रेषण के मॉडल **अथवा** संप्रेषण की चुनौतियाँ

(2) लिखित संप्रेषण **अथवा** मौखिक संप्रेषण

(3) संप्रेषण-प्रक्रिया **अथवा** व्यावसायिक संप्रेषण ।

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(1) सार **अथवा** अन्वय

(2) एकालाप **अथवा** संवाद

(3) अनुवाद प्रक्रिया **अथवा** अनुवाद के प्रकार ।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8434 **GC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12055302

Name of the Paper : Bhasha Aur Samaj

Name of the Course : **Hindi : Generic Elective**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा और समाज के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालिए।

अथवा

समाज भाषाविज्ञान की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके स्वरूप का वर्णन कीजिए। (15)

2. बहुभाषिकता के महत्त्व का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

द्विभाषिकता की संकल्पना स्पष्ट कीजिए। (15)

3. भाषा और वर्ग से आप क्या समझते हैं ? उनके अन्योन्याश्रित संबंध पर विचार कीजिए।

अथवा

भाषाई अस्मिता और जेण्डर एक दूसरे को कैसे प्रभावित करते हैं ? सोदाहरण लिखिए। (15)

4. भाषा सर्वेक्षण के स्वरूप और प्रविधि का विवेचन कीजिए।

अथवा

भाषाई नमूनों के सर्वेक्षण पर विचार करते हुए इसके प्रकार लिखिए । (15

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(i) भाषा – व्यवस्था और भाषा – व्यवहार

(ii) भाषा और जातीयता

(iii) भाषा और संस्कृति

(iv) भाषा के नवीन प्रयोग (8+7)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6405 **G** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 205161

Name of the Paper : Hindi Higher (Qualifying)

Name of the Course : **B.A. (Hons.)/B.Sc. (Hons.) Maths**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 100

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर लगभग **300** शब्दों में और टिप्पणियां लगभग **160** शब्दों में लिखिए।

1. स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

आज़ादी के बाद हिंदी के स्वरूप और विस्तार की चर्चा कीजिए।

2. राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति पर विचार कीजिए।

3. संचार माध्यम की अवधारणा स्पष्ट करते हुए जन-संचार के विविध माध्यमों का परिचय दीजिए। (15)

अथवा

टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों के उदाहरण देते हुए उनकी भाषिक विशेषताएँ बताइये।

P.T.O.

4. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5+5)

(i) मानक भाषा

(ii) खेल-कूद पृष्ठ की भाषा

(iii) दूरदर्शन के समाचारों की भाषा

(iv) मनोरंजन कार्यक्रमों की भाषा

(v) एफ. एम. रेडियो की भाषा

5. अपने क्षेत्र में बढ़ रही बाल-श्रम की घटनाओं की सूचना देते हुए पुलिस अधिकारी को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

विद्यालय में खेल-प्रशिक्षक पद हेतु स्ववृत्त (बायोडाटा) तैयार कीजिए।

6. (क) किन्हीं **पाँच** पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए : (5)

Audition, Capital, Complex, Dialectics, Empire, Finance, Editorial, Idea

(ख) किन्हीं **पाँच** प्रशासनिक अभिव्यक्तियों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए : (5)

(i) Accepted for payment

(ii) I agree

(iii) Call for an explanation

(iv) Seen, thanks

(v) The papers are sent herewith

(vi) Please discuss

(vii) For information only

(viii) Draft approved as amended

(ग) निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से किन्हीं **पाँच** के हिंदी प्रतिरूप लिखिए : (5)

(i) A bone of contention

(ii) Easy come easy go

(iii) Hold your mouth

(iv) To beat about the bush

(v) To take the words out of mouth

(vi) To look blank

(vii) Thrown on ones back

(viii) To freeze out

7. **किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में पल्लवन कीजिए :** (8)

(i) चौराहों पर बचपन।

(ii) अंत भला सो सब भला।

(iii) नेकी कर दरिया में डाल।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए :

जीवन का अर्थ मात्र जीना नहीं है। जीना एक कला है। जिसने इसे साधा वही वास्तव में जीवन को जी सका। जीवन के सुख-दुख में समान भाव से संतुलित रहते हुए आगे बढ़ना हर मनुष्य के बस की बात नहीं। यह विवेकशीलता जीवन का गुण है। भौतिकता के पीछे भागना जीवन की कला नहीं बल्कि प्रकृति और समाज के छोटे-छोटे आनंद को सहेजना कला है और जीवन की गुणवत्ता भी। विवेक, धैर्य, समरसता, परोपकार जैसे गुण जीवन की कला सिखाने के कारगर तरीके हैं।

8. किसी **एक** विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए : (12)

(i) महानगर और अपराध

(ii) युवा स्वप्न और कल का भारत

(iii) इंटरनेट वरदान या अभिशाप

(iv) बेघर होते वृद्ध